दिवंगत पूर्व मा0 सदस्य श्री कौल दास का जीवन परिचय

जन्म तिथि : 04 जून, 1943

निवास : ग्राम मथलाऊ, पट्टी दशज्यूला, तहसील धनोल्टी जनपद टिहरी गढ़वाल.

पत्नी : श्रीमती बसन्ती देवी

पिता : श्री किस्सू दास

माता : श्रीमती पानपति देवी

शिक्षा : हाईस्कूल, एच0टी0सी0

विधायी यात्रा

- वर्ष 2002 के आम चुनाव में प्रथम बार धनोल्टी विधान सभा क्षेत्र से उत्तराखण्ड विधान सभा के सदस्य निर्वाचित
- वर्ष 2003–2004 सरकारी आश्वासन, सार्वजिनक उपक्रम एवं निगम तथा याचिका समिति के सदस्य
- वर्ष 2004–2007 आवास समिति एवं लोक लेखा समिति के सदस्य

सार्वजनिक जीवनः आप वर्ष 1967 से 2001 तक एक अध्यापक रूप में समाज की सेवा करते रहे तथा प्रधानाध्यापक के पद से सेवानिवृत्त होने के पश्चात् सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यक्रमों में बढ़–चढ़कर भाग लेते थे। आप जीवन पर्यन्त समाज सेवा के कार्यों में समर्पित रहे।

देहावसान : दिनांक 01 जुलाई, 2019

परिवार : दो पुत्र एवं तीन पुत्रियां

श्री कौलदास का जन्म 04 जून, 1943 को ग्राम मथलाऊ, पट्टी दशज्यूला, तहसील धनोल्टी जनपद टिहरी गढ़वाल में हुआ था। आपके पिता का नाम श्री किस्सुदास तथा माता का नाम श्रीमती पानपति देवी था। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा प्रा0वि0 बैठ/जूनियर हाई स्कूल थत्यूड में हुई। आपका विवाह श्रीमती बसन्ती देवी से हुआ था।

आप राजकीय प्राथमिक विद्यालय टिकरी नैनबाग में सहायक अध्यापक के पद पर रहे तथा वर्ष 2001 में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बाण्डाचक में प्रधानाध्यापक के पद से सेवानिवृत्त हुये।

श्री कौलदास जी वर्ष 2002 के आम चुनाव में प्रथम बार उत्तराखण्ड विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए तथा उत्तराखण्ड विधान सभा में विधायक के रूप में धनोल्टी विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। आप विधान सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य भी रहे। श्री कौलदास जी ने विधान सभा सदस्य के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन बखूबी किया तथा आप अपने क्षेत्र की जनता के कल्याण एवं विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहे।

दिनांक 01 जुलाई, 2019 को प्रातः कालीन सैर करते समय स्थान थत्यूड में हृदयगति रूकने से श्री कौलदास जी का निधन हो गया। उनके परिवार में दो पुत्र एवं तीन पुत्रियां हैं।

मैं उनके परिजनों को सदन की ओर से शोक संवेदना प्रेषित करता हूॅ तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूॅ कि वह शोक संतप्त परिवार को इस दुःख से उबरने हेतु बल प्रदान करें।

मैं इस सम्मानित सदन की भावनाएं एवं शोक संवेदनाएं श्री कौलदास जी के परिजनों तक पहुँचा दूँगा।

(दो मिनट का मौन)